ब्योर्न ऑऊस्लंड

राजकुमार भौं-भौं

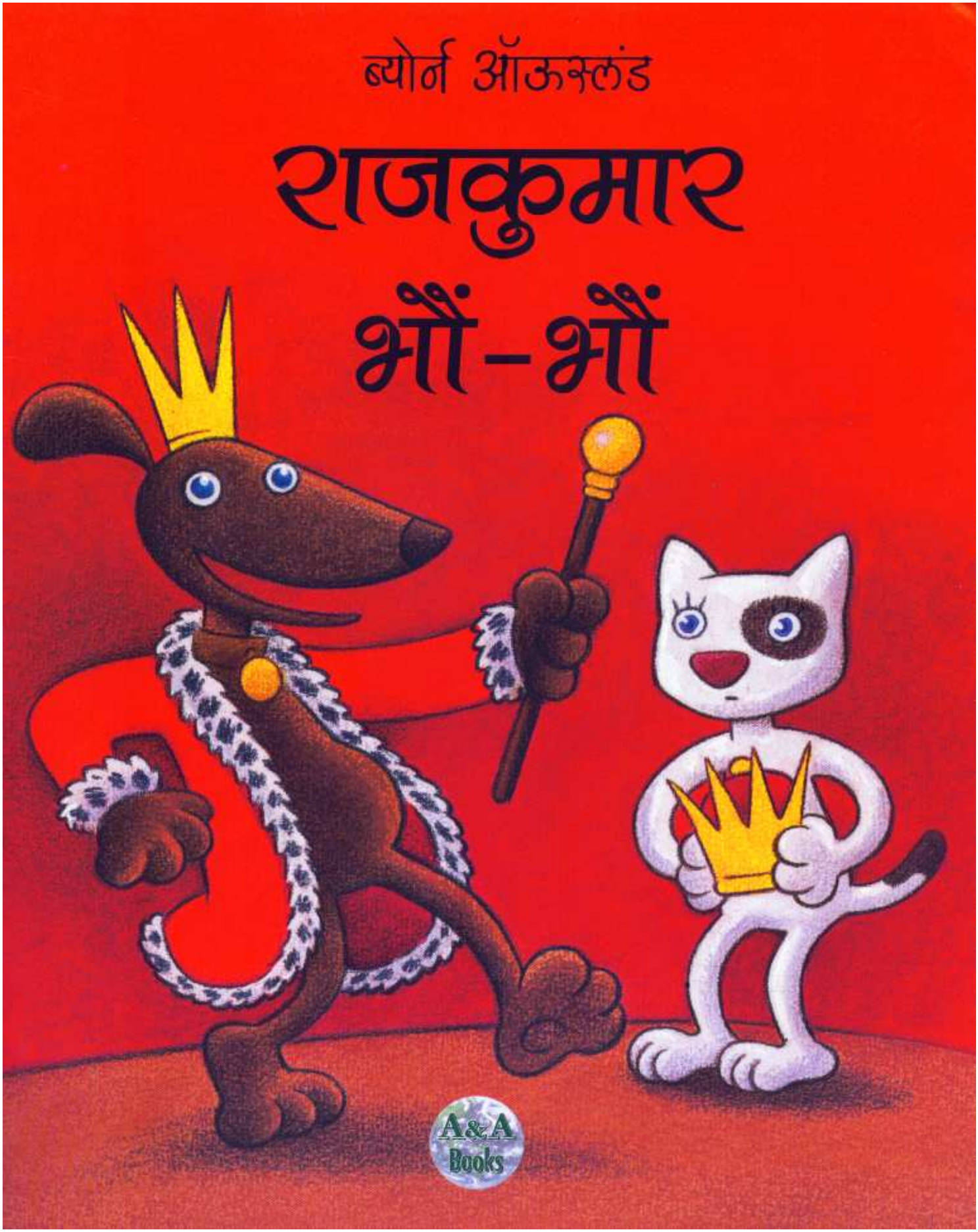

A&A Books

This picture book has been published with the financial support of NORLA.

PRINS BISK by *Bjørn Ousland*
First published in Norwegian by Cappelen Damm A/S
Akersgata 47/49, 0180 Oslo, Norway

© Cappelen Damm AS, 2009
Hindi translation © Arundhati Deosthale, 2010

All Rights Reserved
First Hindi edition 2010

Published by
A&A Books
C1-324, Palam Vihar
Gurgaon 122017, India
aabooktrust@gmail.com

Printed at Vimal Offset, Delhi
vimaloffset@gmail.com

ISBN: 978-93-80141-12-1

ब्योर्न ऑऊस्लंड

राजकुमार भौं-भौं

अनुवाद : अरुंधती देवस्थले • इंगेर रैंडी रॉग्नॉय

A&A Books

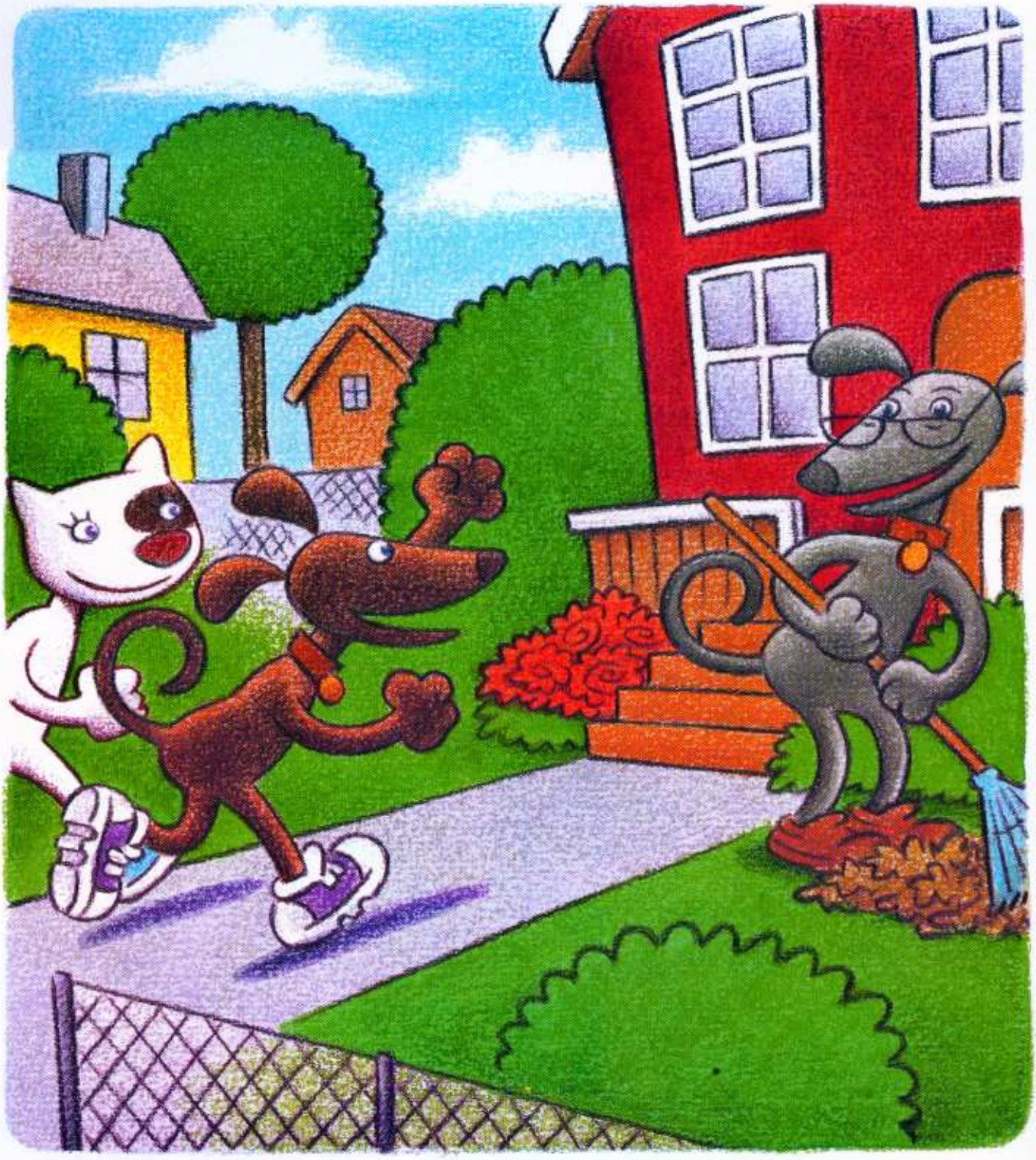

अपने दादा के घर जाना भौं-भौं को बहुत पसन्द है।
आज उसकी बहन भी साथ है।
– नमस्ते, दादा !

– यह लो शरबत और केक, दादा कहते हैं।
उनके यहाँ हमेशा कुछ न कुछ मजेदार होता है।

– थैंक यू, दादा !

– आओ, मैं कुछ दिखाता हूँ, भौं-भौं ने कहा।

बगीचे के कोने में सेही का एक परिवार रहता है।
दादा उन्हें रोज पानी पिलाते हैं।
अब भौं-भौं ने भी तश्तरी में पानी डाला।

– देखो, वह देख रहा है।

– हैलो ! पड़ोस में रहनेवाले भूरे ने आवाज दी।

– क्या हो रहा है?

वे भूरे को सेही का परिवार दिखाते हैं।

– कितने प्यारे हैं!

– ध्यान रखो, कहीं डर न जाएँ, भौं-भौं कहता है।

– कुछ खेलें, तीनों मिलकर?
भूरे ने पूछा।

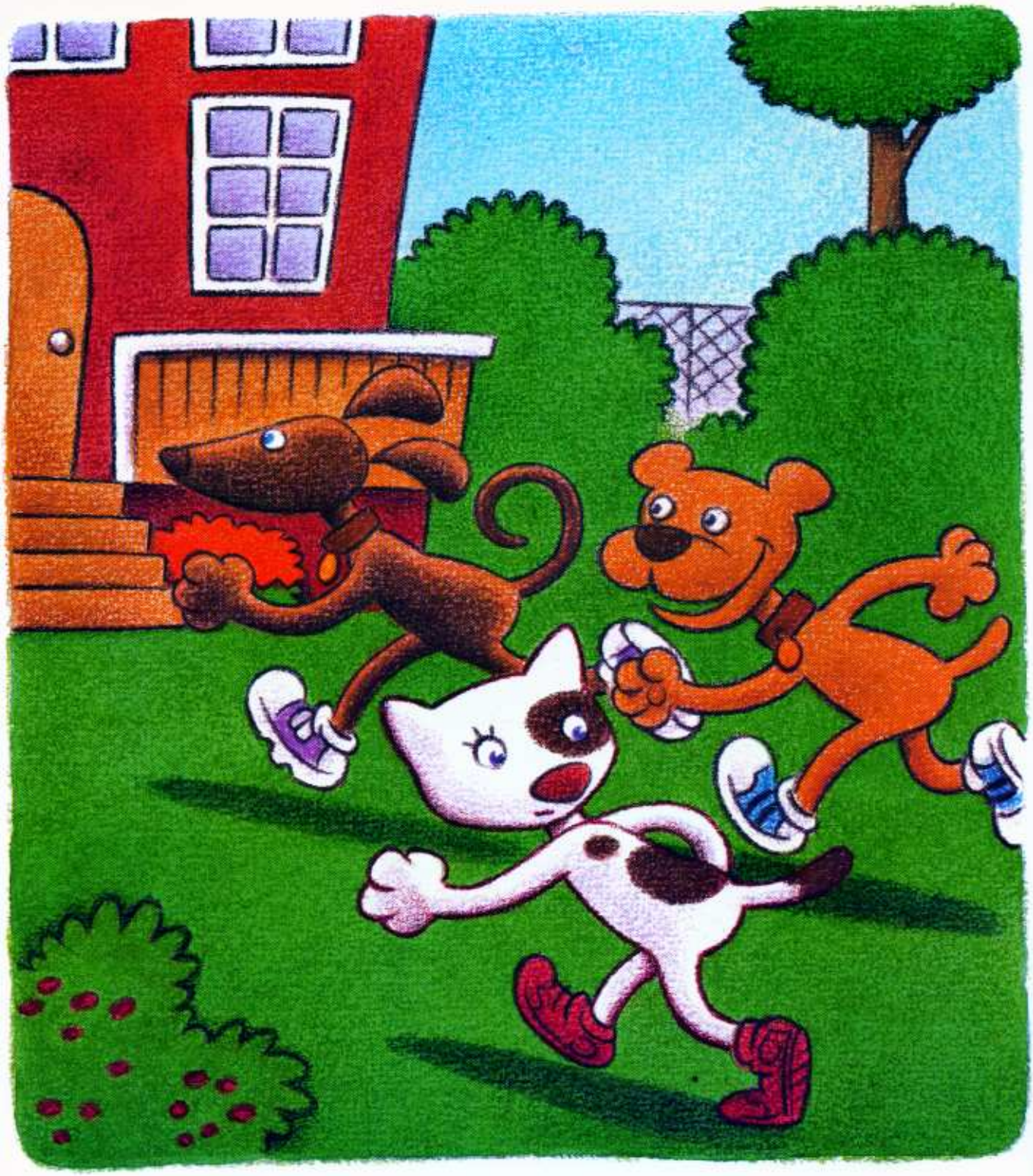

– आओ, अन्दर चलें, भौं-भौं ने कहा।

दादा के इस पुराने घर में कई कमरे हैं।
वे तीनों अटारी पर चढ़ गए।

खिलौने

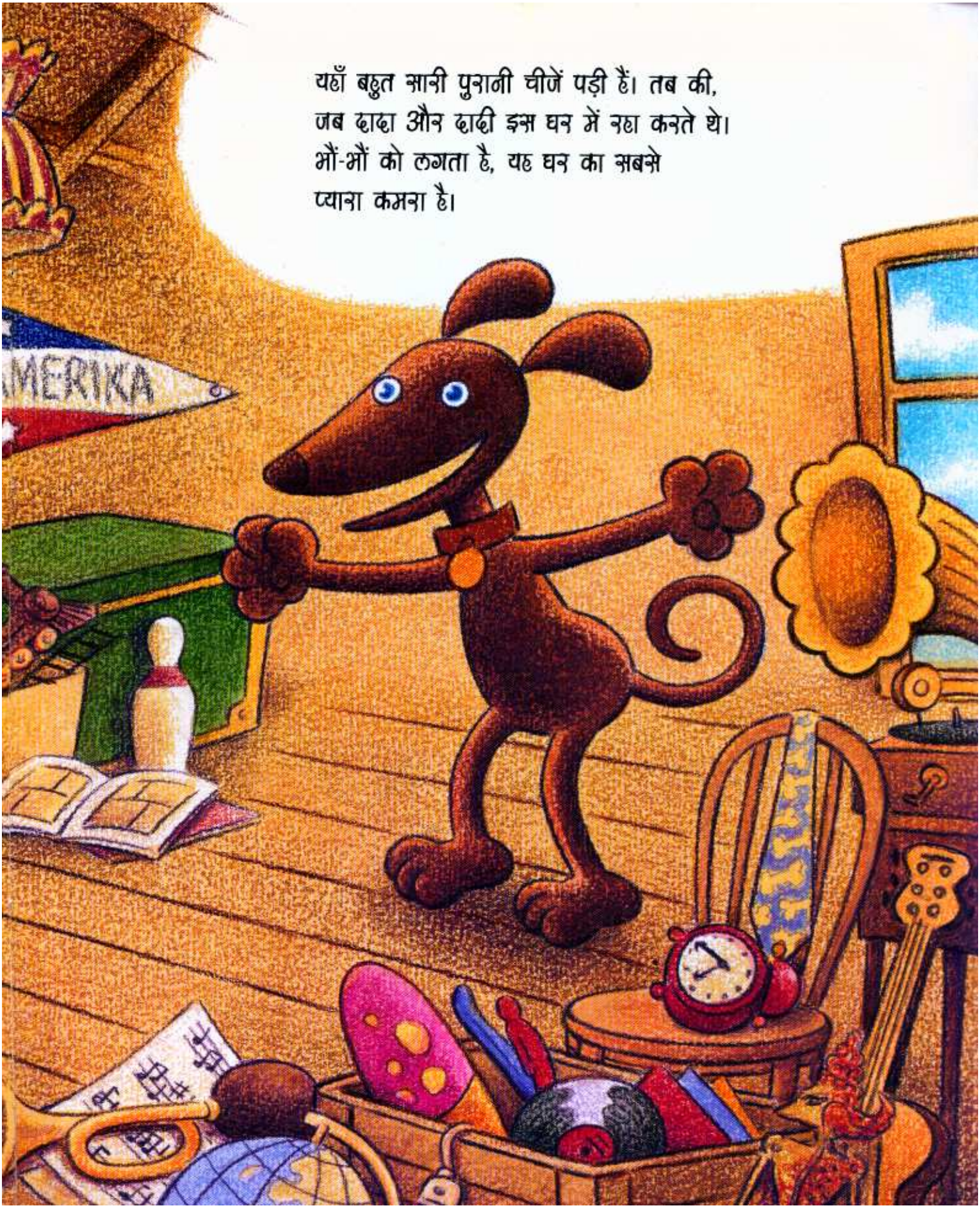
यहाँ बहुत सारी पुरानी चीजें पड़ी हैं। तब की,
जब दादा और दादी इस घर में रहा करते थे।
भौं-भौं को लगता है, यह घर का सबसे
प्यारा कमरा है।
MERIKA

– कैसी अजीब-सी चीजें हैं।

– ये देखो, भौं-भौं कहता है।

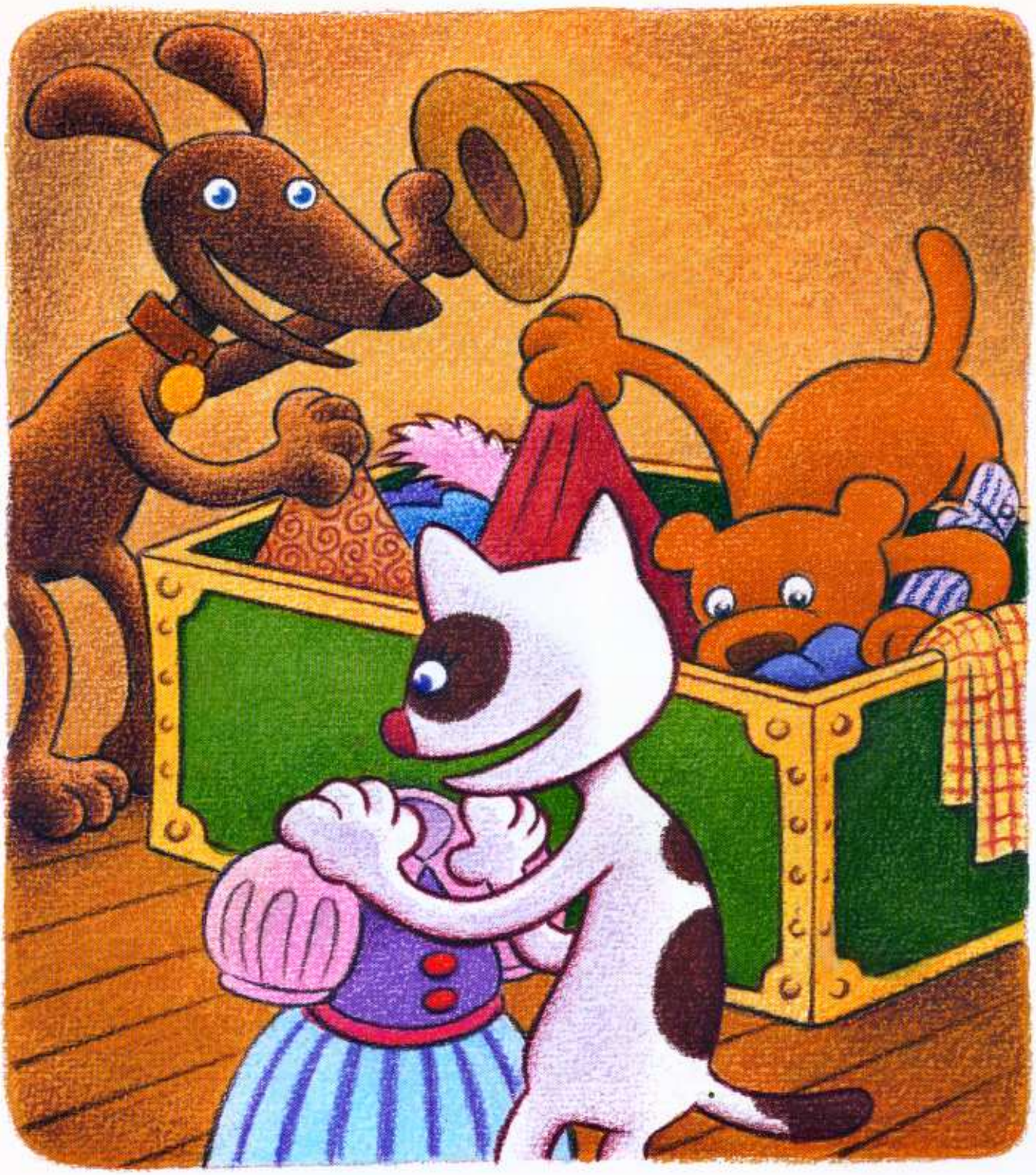

बक्से में कई तरह के पुराने कपड़े पड़े हैं।
– चलो, फैंसी ड्रेस खेलें।

– ही, ही
– सलाम मैडम।
– भयानक जादूगरनी आई है।
– बचाओ !
– हा, हा
– हे, हे, हे

– क्या हो रहा है, बच्चों?
– इधर मत देखिए।

– देखो मुझे ! मैं हूँ राजकुमार भौं-भौं।

– चलो खेलें, राजा राजा।

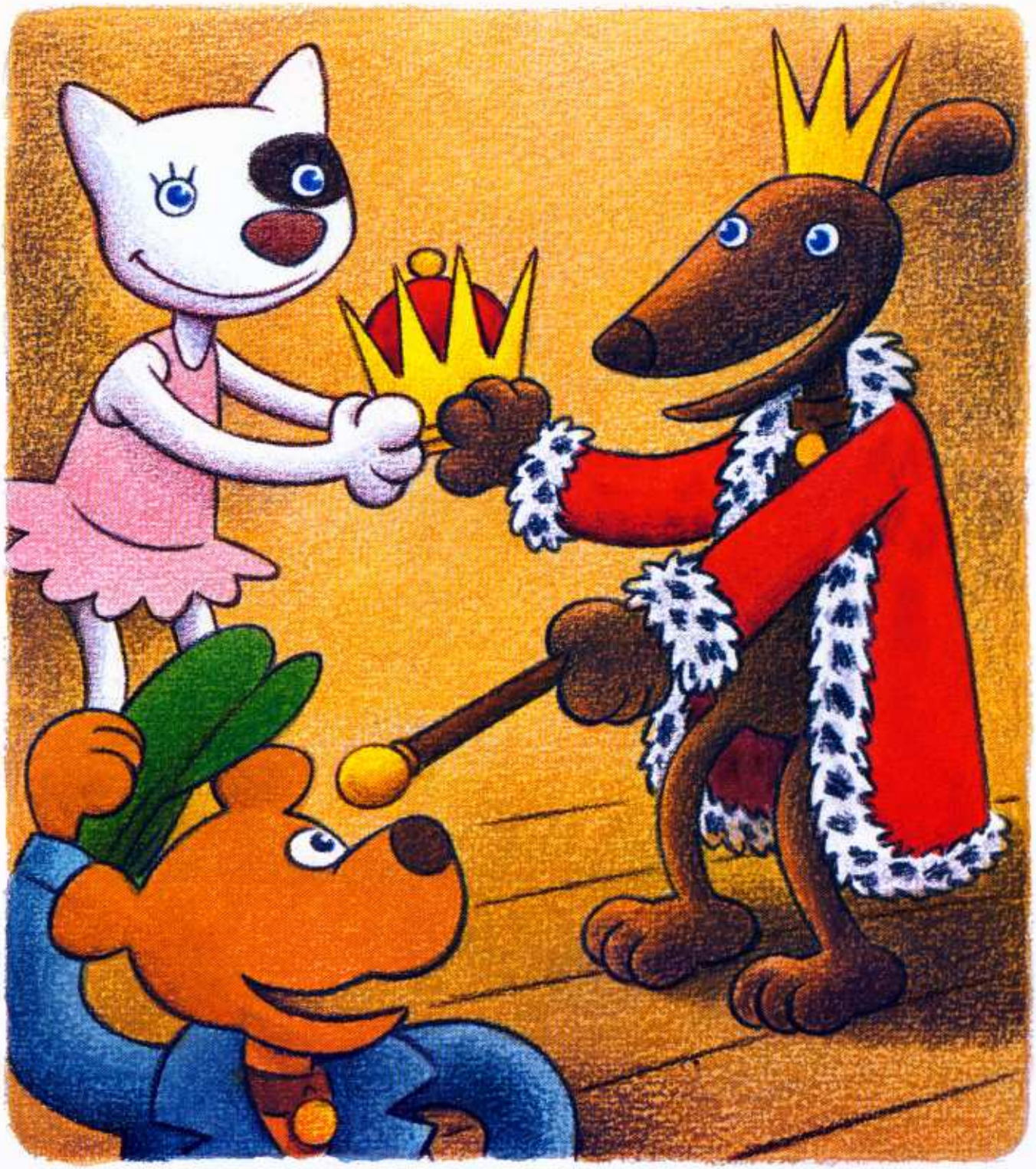

– तो तुम बन जाओ राजकुमार की बहन !
– और तुम हमारे नौकर, भौं-भौं ने भूरे से कहा।
– ठीक है, राजकुमार।

– यह है मेरा सिंहासन।
– आहा
– हम कुछ मजेदार देखना चाहते हैं।
जरा नच के दिखा !

– ये जूते तो बड़े सुन्दर हैं,
तुम्हारे किस काम के?
हमें दे दो !
पर...
– पर क्या, मैंने जो कहा,
वही करो, और हमें
राजकुमार भौं-भौं कहो !
– खैर... ठीक है,
राजकुमार भौं-भौं।
– हमें प्यास लगी है,
हमारे पीने के लिए
कुछ और लाओ !

– मैं तंग आ गया। अब राजकुमार मैं बनूँगा,
भूरे ने जोर देकर कहा।
– ऐसा कहने की तेरी हिम्मत कैसे हुई? हम राजकुमार भौं-भौं हैं,
और तुम्हें वही करना होगा जो हम कहते हैं, भौं-भौं बोला।

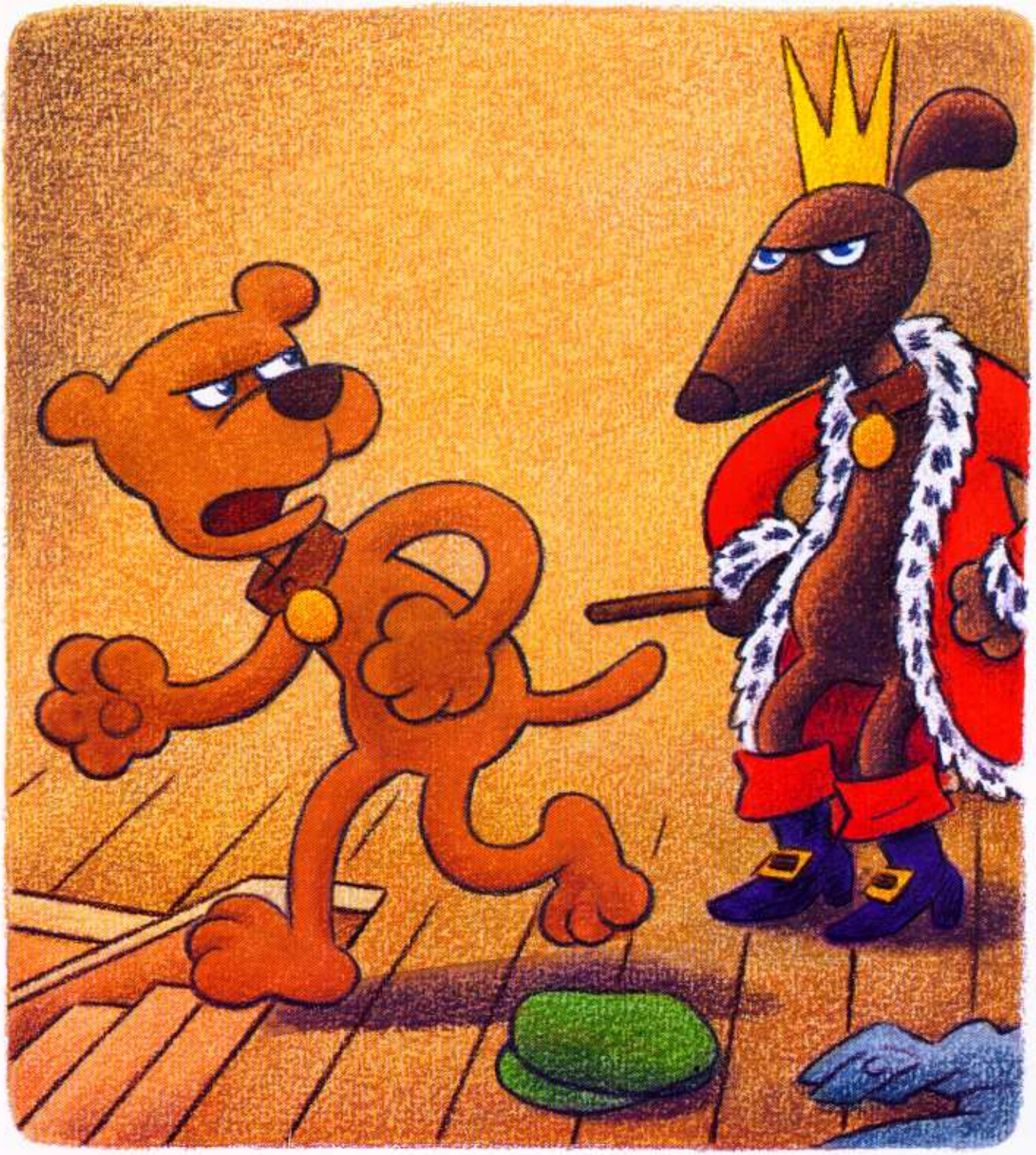

– तो फिर मैं नहीं खेलता, कहकर भूरा चल दिया।
– चले जाओ ! भौं-भौं ने चिल्लाकर कहा।

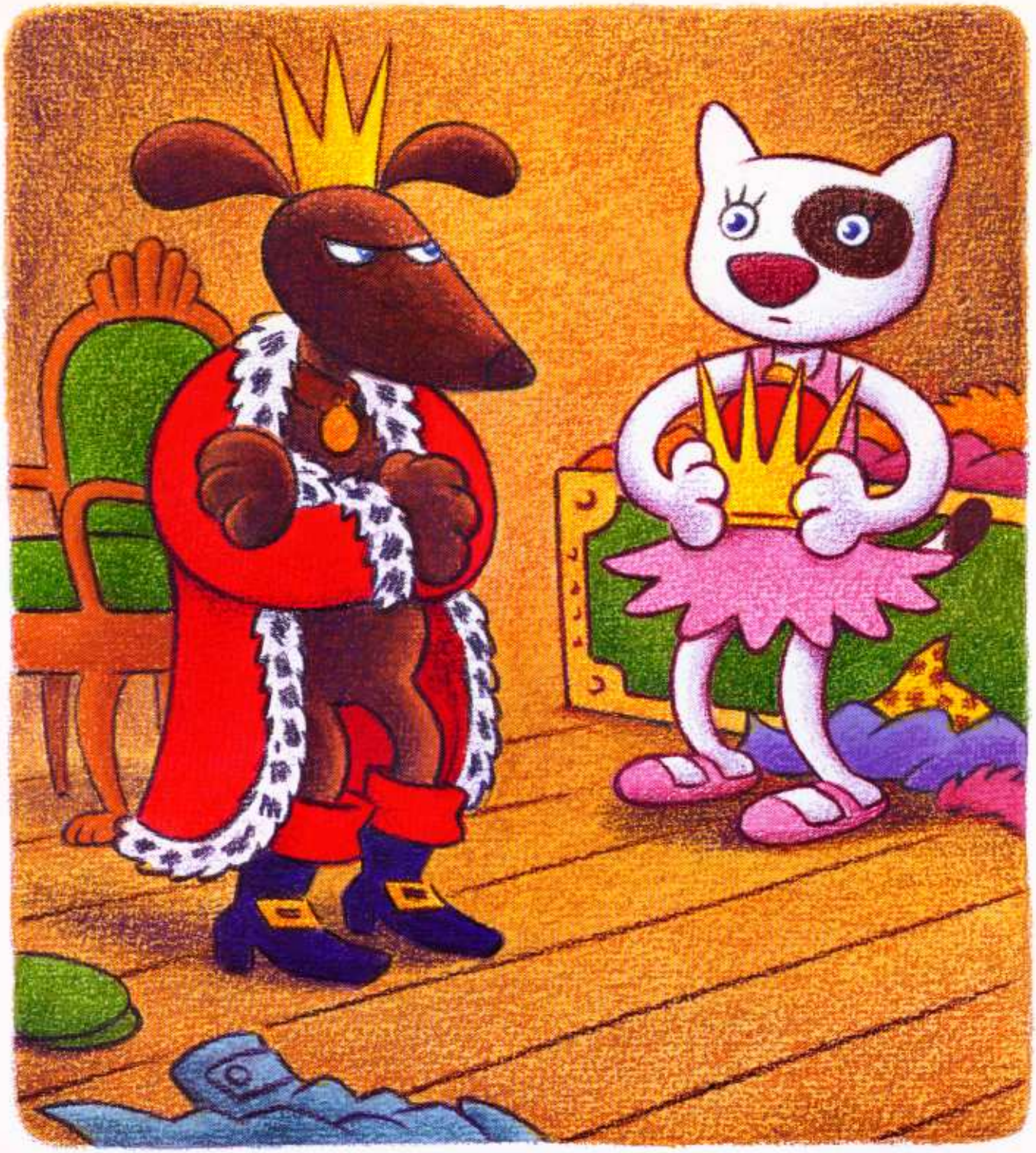

– पागल ही निकला ! चलो, हम राजा और रानी खेलें,
भौं-भौं ने कहा।

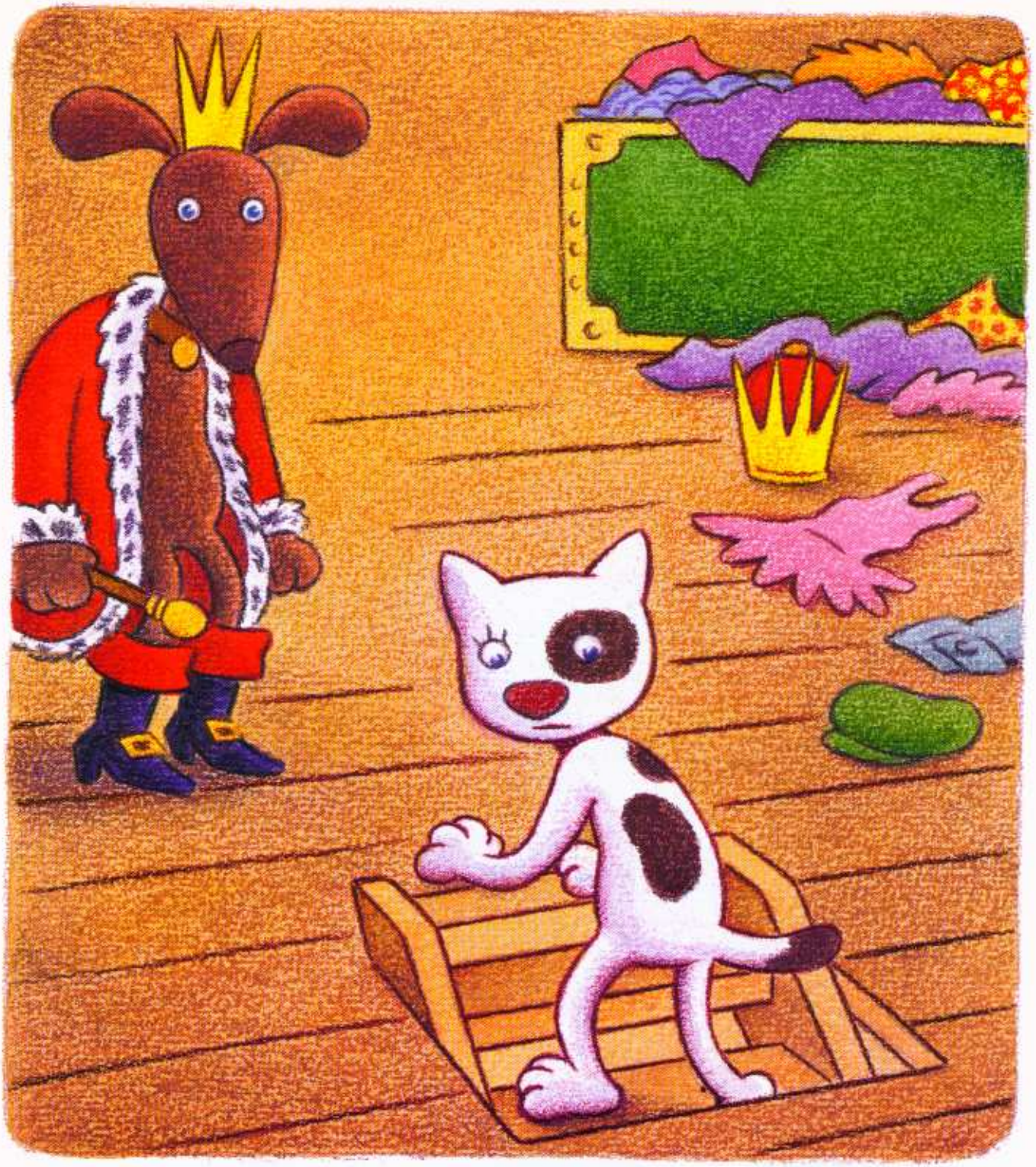

– पागल तो तुम हो, कहकर बहन भी चली गई।
कमरा खाली हो गया।

अकेला खड़ा भौं-भौं कहता है, यह सब मेरा है,
सिर्फ मेरा ! जाते हैं तो जाने दो उनको !

– अब मुझे सचमुच मजा आ रहा है।

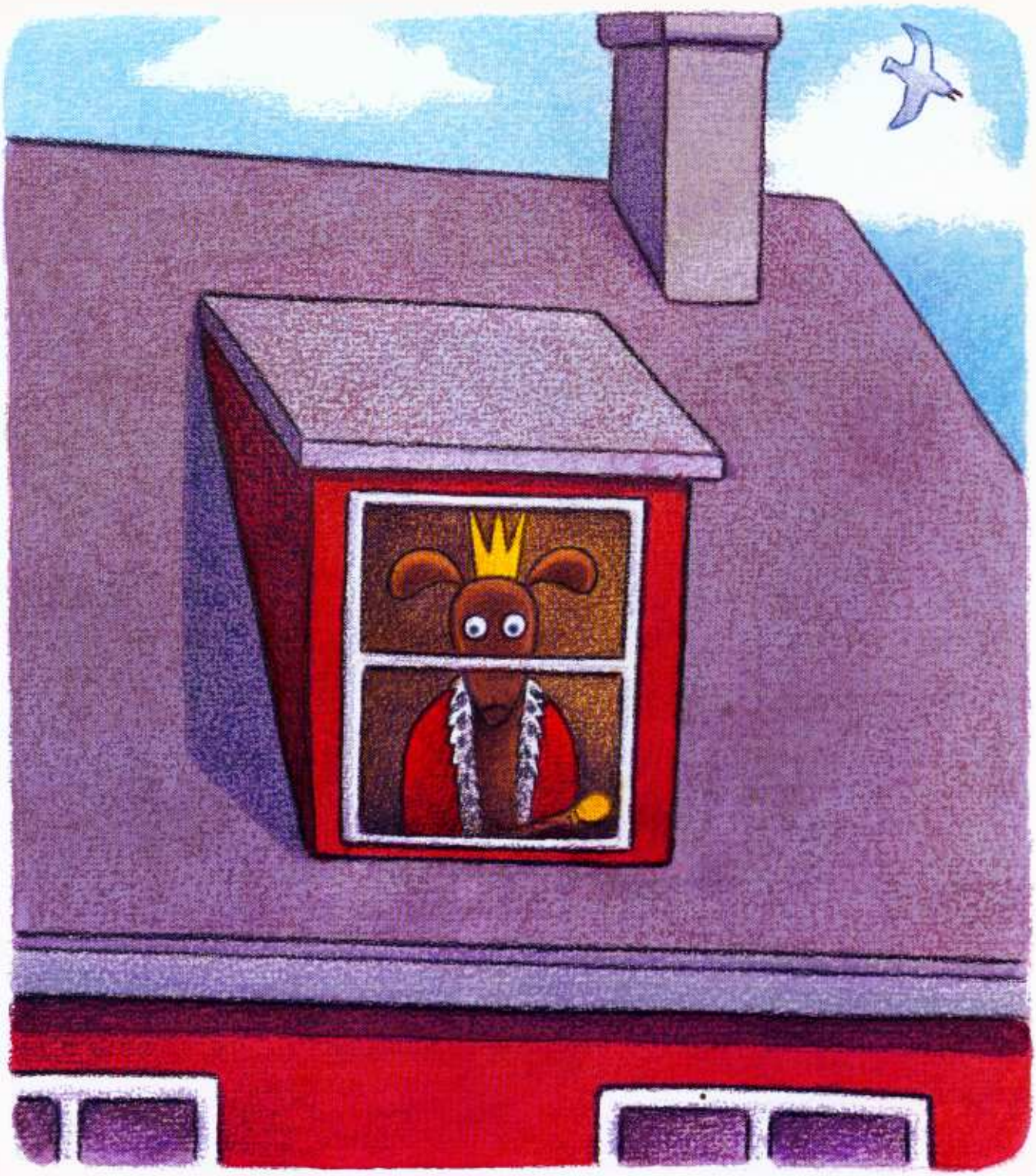

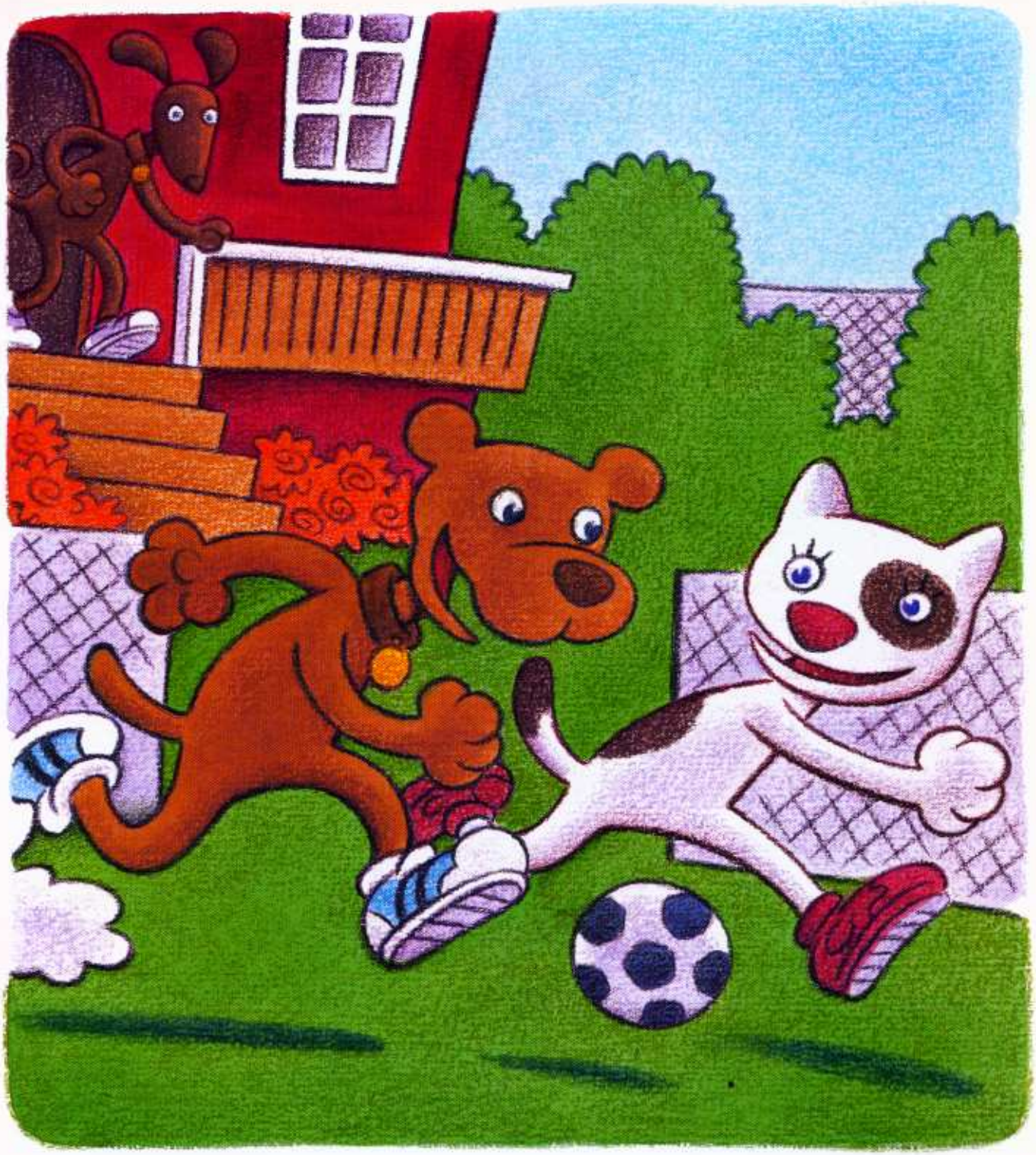

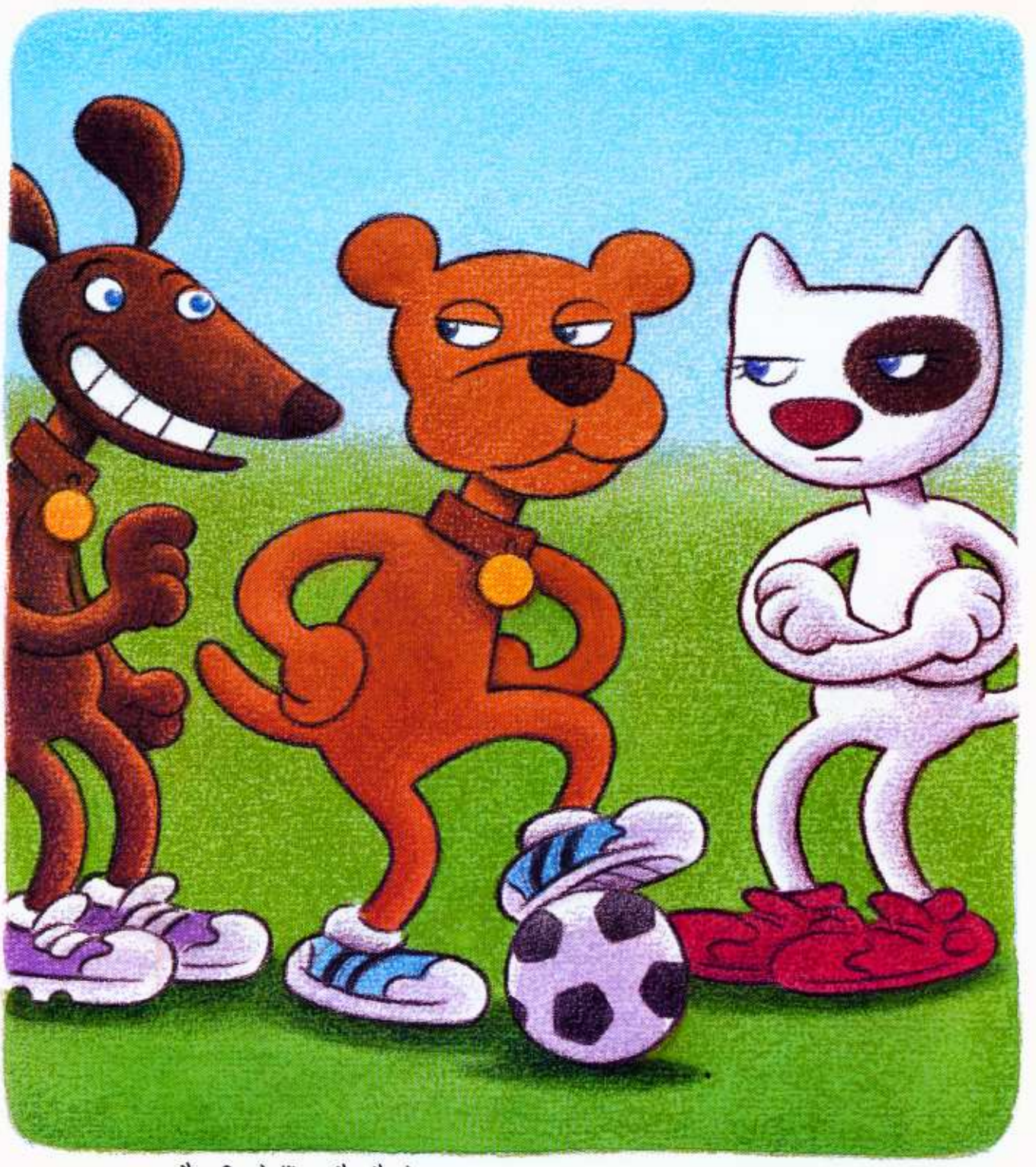

– क्या मैं भी खेलूँ? भौं-भौं ने पूछा।

– मुझे नहीं खेलना राजकुमार भौं भौं के साथ,
भूरे ने जवाब दिया।

– वह सब खुद ही बनना चाहता है, बहन बोली।

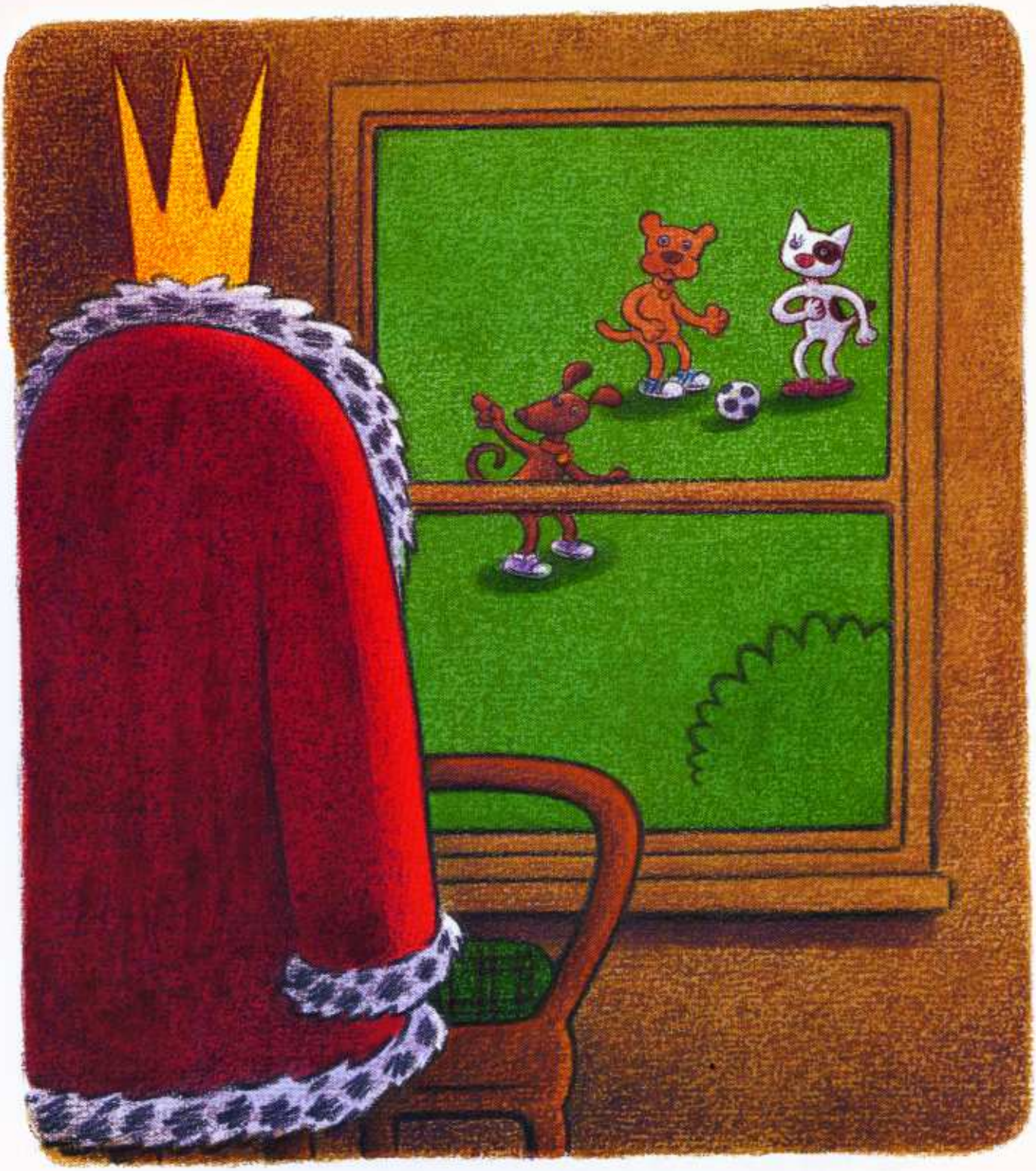

– अरे, वह राजकुमार तो अटारी में छूट गया।

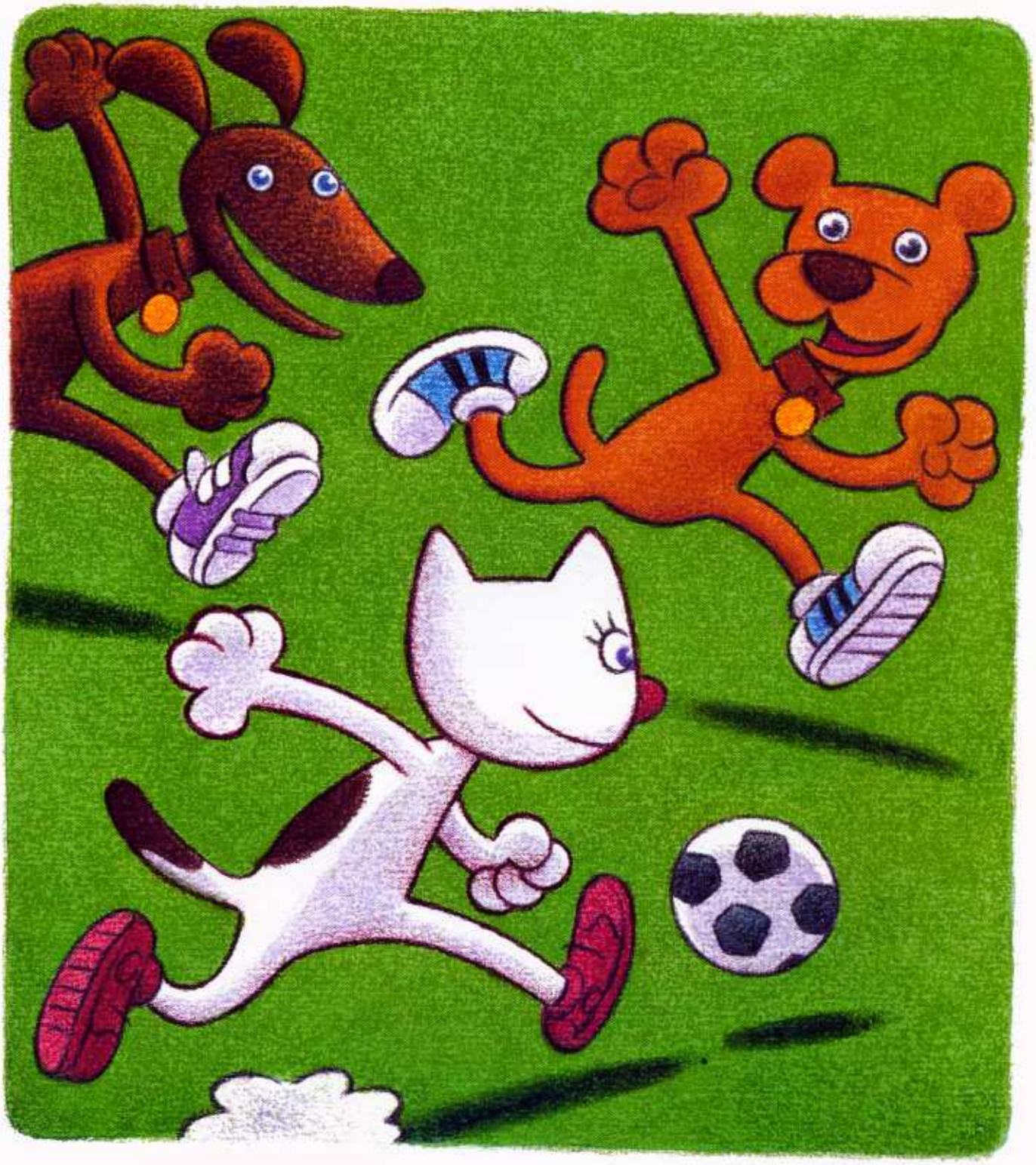

– अब तो मैं बस भौ-भौं हूँ।

भौं-भौं कोई राजकुमार नहीं है! एक कुत्ता है, सब कुत्तों जैसा। पर खेल-खेल में वह राजकुमार बन जाता है तो मजा तो दूर, मुश्किल खड़ी हो जाती है।

मजा तो सब के साथ, सब के बीच खेलने में है न?

हम यह किताब नॉर्वे से लाएँ हैं, खास आपके लिए!

50 रुपये
ISBN 978-93-80141-12-1
9 789380 141121